VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे | अधिकतम अंक: 250
*Time Allowed: **Three Hours*** | *Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

- -

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0253600

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Abhishek Meena

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
HINDI

तारीख
Date
27-08-23

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre DELHI
Joga Singh Public School

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कैडबरी समिति के अनुसार कारपोरेट गवर्नेंस से आशय ऐसे दिशा निर्देशों से है जो कि किसी कारपोरेट संस्था को नैतिक रूप से चलने की प्रेरणा देते हो।

वर्तमान युग में कारपोरेट गवर्नेंस का विस्तार होता जा रहा है।

नये आयाम

पर्यावरणीय सामाजिक गवर्नेंस

पर्यावरणीय आयाम पर्यावरणीय नैतिकता के अनुरूप है। वस्तुतः पर्यावरण भी एक व्यक्ति की ही भांति अधिकार रखता है।

सामाजिक ढांचे के अनुकूल गवर्नेंस से कंपनी की छवि को लाभ मिलता है। CSR इसके अनुकूल है।

आंतरिक स्तर पर गुड गवर्नेंस कंपनी की दक्षता को बढ़ाती है।

ऐसे एकीकरण से लाभ:

1. कंपनी की दक्षता में सुधार।
2. कंपनी की छवि का सुधार।
3. पर्यावरण के अनुकूल विकास।
4. राष्ट्र की तरक्की में योगदान।
5. कंपनी के सामाजिक दायित्वों की पूर्ति - CSR द्वारा
6. कारपोरेट द्वारा सभी हितधारकों यथा- पर्यावरण-समाज-कर्मचारी-राष्ट्र-प्रशासन के साथ समन्वय होता है

निष्कर्षत: (ESG) मैट्रिक्स आधुनिक युगीन कारपोरेट गवर्नेंस के अनुकूल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार का आशय किसी व्यक्ति द्वारा अपने नैतिक मानदण्डों से विचलन से है

भ्रष्टाचार की पूर्ववर्ती मान्यता यह रही है कि भ्रष्टाचार हमेशा ताकतवर व्यक्ति ही करता आया है; परंतु यह मान्यता पूर्णतः उचित नहीं। कभी कभी कम अधिकार वाला व्यक्ति भी अपने कार्य करवाने हेतु भ्रष्टाचार (रिश्वत) का सहारा लेता है। जिस पर प्रायः ध्यान नहीं दिया जाता है। इसके साथ ही इसे तंत्र का हिस्सा मानने की अवधारणा विकसित कर ली जाती है।

वस्तुत: यह प्रवृत्ति भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए चुनौती है:-

(1) रिश्वत देने वाले व्यक्ति को सामान्यत: पीड़ित माना जाता है तो कार्यवाही का scope कम।

(2) समाज में यह धारणा कि रिश्वत दिये बिना कार्य नहीं होंगे।

(3) सबूतों का अभाव।

(4) शक हमेशा अधिकारी पर।

समाधान :-

(*) लोगों के मध्य जागरूकता का विकास

(*) कार्यालयों में उचित निगरानी तंत्र की व्यवस्था।

(*) ईमानदार अधिकारियों को प्रोत्साहन।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been diffieult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत में नागरिक चार्टर की शुरुआत मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन के उपरांत की गई है।

नागरिक चार्टर के तत्व
- → नागरिकों के अधिकार
- → पारदर्शिता
- → जवाबदेही
- → समय पर सेवा की डिलीवरी
- → सेवा गुणवत्ता
- → शिकायत निवारण

नागरिक चार्टर को लागू करने में बाधाएँ

(i) अधिकारियों का रूढ़ीवादी रवैया।

↳ अधिकारियों द्वारा नागरिक चार्टर को गंभीरता से नहीं लेना।

(2) नागरिकों के मध्य जागरूकता का अभाव
↳ अपने अधिकारों के प्रति।

(3) उचित निगरानी व्यवस्था की कमी।

(4) शासन में भ्रष्टाचार।

(5) उचित शिकायत निवारण व्यवस्था का अभाव।
↳ शिकायत निवारण में महीनों लग जाना।

सुझाव:

(1) तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना।

(2) नागरिकों के मध्य जागरूकता।

(3) अधिकारियों को प्रशिक्षण।

(4) भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई।

वस्तुतः किसी भी राष्ट्र में नागरिक चार्टर लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूलभूत तत्व है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सार्वजनिक सेवा वितरण से आशय है सरकारी मशीनरी द्वारा बिना किसी भेदभाव के अपनी सेवाएं नागरिकों को प्रदान करना।

सार्वजनिक सेवा वितरण का महत्व!

- संविधान की भावना के अनुकूल।
- कल्याणकारी राज्य का आधारभूत तत्व
- पिछड़े वर्गों के समावेशन के लिए आवश्यक।
- गरीबी, बेरोजगारी - अशिक्षा को दूर करने में महत्वपूर्ण
- सामाजिक न्याय का उपकरण

वस्तुत: सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली की परिकल्पना देश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मूल धारा के साथ जोड़ने के लिए की गई थी।

सकारात्मक प्रभाव :-

1. पिछड़े वर्गों के विकास में सहायता की है
2. कई गरीब परिवारों को गरीबी से मुक्त किया।
3. स्वास्थ्य शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है

वस्तुत: इसमें अभी भी सुधार की आवश्यकता है:

सुझाव :

1. तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा देना।
2. पारदर्शिता को बढ़ावा देना।
3. लोगों को जागरूक बनाना।
4. सेवोत्तम मॉडल का प्रयोग।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त कथन महात्मा गांधी के न्यासिता सिद्धांत तथा अपरिग्रह सिद्धांत (जैन धर्म) के अनुकूल है।

वस्तुत: किसी भी सभ्य समाज में दानी लोग हमेशा पाए जाते है। वे समझते है कि उन्होंने जो कुछ भी पाया है वह समाज से ही पाया है तो वे समाज को जितना देंगे समाज वापस उससे ज्यादा उन्हें लौटायेगा।

इसके लाभ:

(1) समाज में अच्छी छवि।

(2) आत्मसंतुष्टि का भाव।

(3) अंतरात्मा प्रसन्न।
(4) प्रसन्नता की स्थिति।

भारत के कंपनी सामाजिक दायित्व (CSR) के पीछे भी यही धारणा रही है, तथा ऐसे कई व्यक्ति है जिन्होंने अपनी बहुत सारी संपत्ति समाज हित में दान कर दी है। उदा०
रतन टाटा, बिल गेट्स आदि।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त कथन किसी भी संस्था में नैतिकता के प्रतिमानों की प्रेरणा के स्तर को दर्शाता है।

उपर्युक्त कथन सही भी है क्योंकि किसी भी संगठन में निचले पायदान का कर्मचारी हमेशा अपने ऊपर के पायदान के अधिकारी जैसा बनना चाहता है।

वस्तुतः अब यदि शीर्ष पर ही अनैतिक व्यक्ति बैठा हो तो वह तो चाहेगा की अन्य व्यक्ति भी उसके जैसे ही व्यवहार करे।

यदि वे उसके तरह ही अनैतिक व्यवहार नहीं करेंगे तो वह अपने कनिष्ठों पर दबाव बनाने की कोशिश करेगा।

क्योंकि उसके अनैतिक व्यवहार को पुष्ट करने के लिए उसके कनिष्ठों को भी अनैतिक ही बनना पड़ेगा।

यह प्रवृत्ति किसी भी संगठन के लिए अत्यधिक खतरनाक होती है। क्योंकि निचला कर्मचारी यदि अनैतिक हो तो वह केवल निचले स्तर पर भ्रष्टाचार कर सकता है परंतु यदि शीर्षतम अधिकारी अनैतिक हो तो पूरे संगठन में भ्रष्टाचार का खतरा रहता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जॉन लॉक एक महान दार्शनिक रहे है। इनके द्वारा न्याय व स्वतंत्रता पर बहुत ही अच्छा दर्शन दिया गया है।

उपर्युक्त कथन में कानून के महत्व को बताया गया है।

यहाँ कानून की सकारात्मक व नकारात्मक दोनों अर्थों में व्याख्या की गई है। यथा:

सकारात्मक	नकारात्मक
→ अधिकारों का रक्षक → मूल अधिकार प्रदान करने वाला → स्वतंत्रता, समानता न्याय, देने वाला Art - 14, 15, 17, 18, 19, 21, 23, 24 32 etc.	→ युक्तियुक्त प्रतिबंध आरोपित कर समाज के अन्य व्यक्तियों के अधिकारों का रक्षक उदा० UAPA, IPC, CrPC आदि

वस्तुत: यह कानून ही है जो किसी भी राष्ट्र में विधि के शासन को सुचारु रूप से चलाने में सहायक होता है

इसका मुख्य उद्देश्य नागरिक अधिकारों की रक्षा व पिछड़े वर्गों का उत्थान होता है।

भारत में इस कानून का आधार संविधान है जो सभी नागरिकों को मूल अधिकारों को प्रदत्त करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान वैश्वीकरण में पश्चिम में गेट्स-बफेट मॉडल बहुचर्चित है तो भारत में रतन टाटा की दानवीरता के चर्चे है।

वस्तुतः आज विभिन्न अरबपति अपनी संपत्ति को समाज कल्याण हेतु दान कर रहे है।

लाभ :-

(1) समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में सहायक।

(2) अविकसित पिछड़े देशों में मानवाधिकारों की स्थापना।
↳ बिल एंड मलिंडा गेट्स फाउंडेशन
अफ्रीका राष्ट्रों में।

(3) अविकसित राष्ट्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, भूखमरी से जुड़ी समस्याओं का समाधान

(4) पोषण समस्याओं का समाधान।

चुनौतियाँ :-

(1) कई बार ऐसे फाउंडेशन नागरिक अधिकारों के नाम पर विकासशील व अविकसित देशों में अनैतिक कार्य करते हैं।

उदा० मनी लॉड्रिंग की समस्या, आतंकवाद को पोषित करना आदि।

वस्तुतः दानवीरता एक बहुत ही अच्छा गुण है। परंतु इसकी आड़ में अनैतिक कार्य नहीं होने चाहिए।

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

AI से आशय कंप्यूटर प्रौद्योगिकी की ऐसा क्षमता से है जो मानव की तरह निर्णय ले सके।

वर्तमान युग में सभी कंपनिया AI से लैस हो रही है। उदा० - OPENAI-CHAT GPT, Google- BARD, Apple - SIRI आदि।

AI से जुड़े नैतिक मुद्दे!

1. एक किसी विशिष्ट समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह युक्त डाटा फीड से गलत निर्णय।
2. AI के कारण नौकरियों में छंटनी की समस्या।
3. तकनीकी खराबी के कारण AI द्वारा गलत निर्णय की संभावना

(4) AI के प्रयोग से विषमता की स्थिति
↳ डिजिटल डिवाइड के कारण।

वस्तुतः AI की छलांग पूर्व के किसी भी तकनीकी क्रांति से अधिक विषमता पैदा कर सकती है। इसे रोकने हेतु सुझाव :-

(1) वृहत डेटा सेटस का उपयोग।
(2) सभी को AI के उपयोग हेतु प्रशिक्षित।
(3) कर्मचारियों को कौशल विकास।
(4) डिजिटल डिवाइड की समस्या को दूर करना।

निष्कर्षतः AI नए युग की तकनीक है इसे अपनाना स्वाभाविक है अन्यथा हम पिछड़ जाएंगे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानन्द सरस्वती आधुनिक भारत के समाज सुधारकों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते है। उन्होने समाज सुधार में अनेक कार्य किए जो समकालीन युग के हिसाब से भी प्रासंगिक है।

(1) आर्य समाज की स्थापना :- यह पाखंड व अंधविश्वास के खिलाफ था जो समकालीन विश्व में पूरी तरह मान्यता रखता है।

(2) इन्होनें 'वेदो की ओर लौटो' का नारा दिया। जो हमें अपनी संस्कृति के संरक्षण व गौरव पूर्ण सम्मान की भावना के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान युग में यह सिद्धांत अति भौतिकतावाद के संकट के समाधान हेतु आवश्यक है।

(3) दयानंद सरस्वती जी से प्रेरणा लेकर दयानंद एंग्लो वैदिक स्कूलों की स्थापना की गई जो शिक्षा के क्षेत्र मे वर्तमान समय तक कार्य कर रही है।

(4) आर्य समाज द्वारा धार्मिक सहिष्णुता व सौहार्द्र की भावना का निर्माण किया गया जो आज भी प्रासंगिक है।

वस्तुत: दयानंद सरस्वती जी एक महान समाज सुधारक थे तथा उनके द्वारा प्रदत्त विचार आज भी अपना महत्व रखते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

लोक सेवा के प्रति समर्पण से आशय है सार्वजनिक कार्यों के प्रति किसी नौकरशाह की पूर्ण प्रतिबद्धता से है। उदा०: मंजूनाथ दुबे, IAS सौमित्र, ~~आदि~~। सारकिल वाले गुरुजी आदि।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

लोक सेवा में गैर पक्षपात से आशय है कि लोक सेवक द्वारा निर्णय लिये जाने पर वस्तुनिष्ठ तर्कों के आधार पर निर्णय लेना ताकि किसी भी पक्ष के साथ पक्षपात न हो।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

निर्णय निर्माण में वस्तुनिष्ठता से आशय है किसी व्यक्ति द्वारा वस्तुनिष्ठ तर्कों के आधार पर निर्णय लेना तथा निर्णय लेते समय अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त रहना।

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सहिष्णुता भारत में बहुत आवश्यक तत्व है क्योंकि भारतीय समाज बहु धार्मिक-बहु भाषिक संप्रदायों से मिलकर बना है। अतः किसी भी लोकसेवक को मत वैभिन्य होने के बावजूद अन्य समूहों के तर्कों को धैर्य से सुनने के बाद ही निर्णय लेना चाहिए।

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

भारत एक कल्याण कारी राज्य है यहाँ अब भी आबादी का एक बड़ा वर्ग पिछड़ा व वंचित है।
इस वर्ग के उत्थान के लिए लोक सेवकों में करुणा की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि तब ही वे इन वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित होगा।
उदा० मदरटेरेसा करुणा की सबसे बड़ी मिसाल है।

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सेलोवी व मेयर के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय अपनी भावनाओं को प्रत्यक्ष करना, उन्हें अपने व्यवहार से जोड़ना तथा अन्य व्यक्तियों की भावनाओं को समझते हुए कार्य करना है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के लाभ!

निजि जीवन में !-

1. परिवार के स्तर पर बेहतर संबंध।
2. समाज में अच्छी छवि।
3. तनाव को नियंत्रित करने में सहायक
4. लोगों के साथ घुलने-मिलने में सहायता।
5. उच्च स्तरीय संतुष्टता से भरा जीवन।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पेशेवर जीवन में लाभ।

(1) कार्य लोड के प्रबंधन में सहायक।
(2) कनिष्ठों व वरिष्ठों से बेहतर संबंध
(3) कार्यालयी तनाव में सहायक।
(4) नागरिकों को अनुनयन में सहायक।
(5) समाज के निर्माण व उत्थान हेतु सहायक।
(6) योजनाओं को लागू करने में सहायक।

वस्तुतः डेनियल गोलमैन ने कहा भी है कि व्यक्ति की सफलता में I.Q. का 20% योगदान है जबकि E.I. का 80%।

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जबाबदेही से तात्पर्य है कि अपने स्वविवेक से लिए निर्णयों की जबाबदेही सुनिश्चित करना।

पारंपरिक जबाबदेही के प्रकार

ऊर्ध्वाधर ↓ अपने वरिष्ठों के प्रति

प्रधानमंत्री ↑ मंत्री ↑ सचिव

क्षैतिज जबाबदेही ↓ अपने समकक्षों के प्रति

कार्यपालिका ⇌ न्यायपालिका ⇌ विधायिका

वस्तुत: वर्तमान युग में पारंपरिक जबाबदेही की धारणा से समाज का विकास में थोड़ी समस्याए है। क्योंकि वर्तमान

विश्व में बहुहितधारक दृष्टिकोण का उभार हुआ है। वर्तमान में किसी भी लोक प्राधिकारी की जवाबदेही का विस्तार हुआ है। यथा:-

(1) पर्यावरण के प्रति जवाबदेही

(2) समाज के प्रति जवाबदेही।

(3) स्वयं के प्रति जवाबदेही।

वस्तुतः जवाबदेही से ही कल्याणकारी राज्य के सिद्धांत को प्राप्त किया जा सकता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी में Artificial Intelligence (AI) से संबंद्ध नैतिक मुद्दों व उनका किसी व्यक्ति के निजी जीवन व समाज पर प्रभाव की चर्चा की गई है।

हितधारक
- → शहरी प्रशासन (कानून प्रवर्तन अधिकारी)
- → समाज
- → तकनीक की विश्वसनीयता
- → पीड़ित महिला (जिसके साथ लूट-पाट हुई)
- → पीड़ित व्यक्ति (जिसे हिरासत में लिया गया)

(a) <u>प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे</u>:

(1) प्रशासन की दक्षता का मुद्दा
↳ शहर के खुलेआम लूटपाट

(2) महिला सुरक्षा का मुद्दा

(3) तकनीक की विश्वसनीयता का मुद्दा।

(4) पुलिस प्रशासन की कार्यवाही :- सिर्फ संदेह के आधार पर व्यक्ति की गिरफ्तारी

(5) व्यक्ति पर पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभावों का मुद्दा
→ निर्दोष व्यक्ति समाज में कलंकित हो गया।

(6) व्यक्ति के रोजगार का संकट

वस्तुतः यह वर्तमान युग की नई तकनीकों यथा A.I. के समान के साथ जुड़ा हुआ नैतिक मुद्दा है। उपर्युक्त प्रौद्योगिकी अपनी कुछ तकनीकी कमियों व सीमाओं के कारण कई बार गलत निर्णय लेती है। जिनका पूरे समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
जिस प्रकार इस केस स्टडी में निर्दोष व्यक्ति पर पड़ा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) ऐसी प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ कुछ चुनौतियाँ आती है।

- गलत निर्णय निर्माण
- पूर्वाग्रह युक्त डेटा से भेदभाव की समस्या
- सरकारी प्रशासन द्वारा इन तकनीकों के प्रयोग में अकुशलता की समस्या
- तकनीक के गलत निर्णय से समाज पर प्रभाव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

<u>चुनौतियो हेतु सुझाव :-</u>

(1) सर्वप्रथम किसी भी A.I. युक्त उपकरण को उपयोग में लेने से पूर्व उसमे उपयुक्त व प्रभावी डेटा सेट्स को प्रयुक्त किया जाना चाहिए ताकि वह उपकरण गलत निर्णय न प्रस्तावित कर सके

(2) जब तक ये तकनीके पूर्णत: स्थापित व भरोसेमंद न हो जाए, केवल इन तकनीकों के भरोसे निर्णय नही लिए जाने चाहिए। अपितु तकनीक की भूमिका सहायक के रूप में होनी चाहिए।

(3) प्रशासनिक अधिकारियों व जाँच करने वाले प्राधिकारियों को तकनीक से संबंधित पूर्ण प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे तकनीक का दक्ष प्रयोग कर सकें।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में कॉरपोरेट शासन से तथा कार्य संस्कृति से संबंधित मुद्दों को इंगित किया गया है।

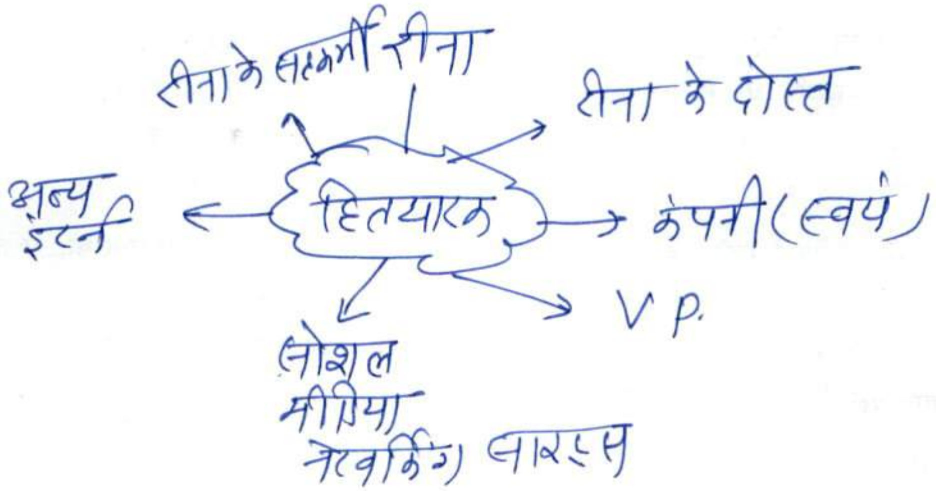

(a) रीना के समक्ष नैतिक दुविधाएँ

① नौकरी का अवसर बनाम दोस्तों की राय
→ इसके अनुसार रीना को नौकरी VP की मेहरबानी से मिली है।

② रीना की योग्यता बनाम VP की मेहरबानी

(3) अन्य सहकर्मियों के साथ सहजता की स्थिति का मुद्दा

(4) कंपनी में रीना की छवि का मुद्दा
↳ अन्य सहकर्मी रीना को मौकापरस्त समझने की संभावना

(b) रीना के पास उपलब्ध विकल्प

(a) नौकरी को स्वीकार न करे।

गुण	दोष
* अपने दोस्तों के समक्ष सम्मान की पात्र बनेगी कि VP की मेहरबानी द्वारा प्रदत्त नौकरी का त्याग	* नौकरी का जाना * रीना को नौकरी अपनी कुशलता व योग्यता के आधार पर मिलीथी।

(b) नौकरी को स्वीकार करना

गुण	दोष
* आर्थिक सुरक्षा की स्थिति	* दोस्तों व अन्य सहकर्मी इत्यों के मन में यह भावना की रीना को यह नौकरी VP की मेहरबानी से मिली है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(E) VP के खिलाफ शिकायत करना

गुण	दोष
* सबके समक्ष यह सिद्ध करना की वह अपना शोषण नहीं होने दे सकती।	* नौकरी जाने की संभावना * VP ने कुछ कहा व किया नहीं है तो झूठा केस लगाने की संभावना।

(C) रीना के द्वारा संभावित कार्य किया जाना!

वस्तुत: मेरी राय में रीना को नौकरी को स्वीकार करना चाहिए क्योंकि एक तो यह पूर्णकालिक नौकरी है और कंपनी की प्रतिष्ठा है।

इसके बाद उसे कंपनी में सहज तरीके से कार्य करना चाहिए तथा V.P से संपर्क कर मुद्दे का समाधान की तलाश करनी चाहिए। V.P से स्पष्टत: पूछना चाहिए कि वे रीना को लेकर किसी गलतफहमी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मे न रहे। यदि VP इसके बावजूद भी ~~व~~ अपने व्यवहार को सही न करे तो रीना को उसकी शिकायत Internal Complaint Committee में करनी चाहिए। क्योंकि वह VP के व्यवहार से सहज नहीं है जो की कार्यस्थल की कार्यसंस्कृति के सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है। इसके साथ ही VP द्वारा रीना को सोशल मीडिया पर जबरदस्ती अप्रोच करना code of conduct के प्रतिकूल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?
(b) How will you resolve the issues in the given case?
(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त केस स्टडी में शिक्षा व्यवस्था में सामूहिक नकल तथा शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार की समस्या को बताया गया है।

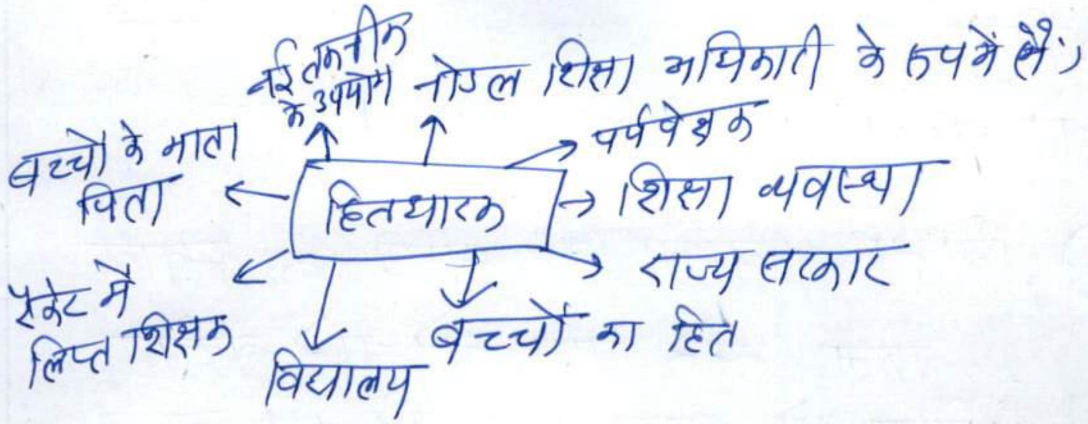

(a) उपर्युक्त प्रकरण के नैतिक मुद्दे:

(1) शिक्षकों के निजि हित बनाम सत्यनिष्ठा
↳ निजि लाभ हेतु शिक्षक की नैतिकता के साथ समझौता

(2) बच्चों के भविष्य का सवाल
↳ बच्चें देश का भविष्य होते है। यदि बच्चे भ्रष्ट तरीकों से पास होंगे तो समस्या है।

(3) पर्यवेक्षकों की नैतिकता का संकट

(4) कार्यवाही करने पर पर्यवेक्षकों द्वारा हड़ताल का संकट

(5) बच्चों के माता-पिता द्वारा चीटींग कराने की प्रवृत्ति
↳ माता-पिता ही बच्चों के भीतर नैतिक मूल्य विकसित करने में महत्व पूर्ण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भूमिका निभाते है। यदि वे ही भ्रष्ट होंगे तो बच्चे भी भ्रष्ट बनेंगे।

⑥ शिक्षा व्यवस्था की साख का सवाल
↳ नकल करके पास होने वाले बच्चे भविष्य में अच्छा प्रदर्शन नही कर पायेंगे।

⑦ राज्य सरकार व प्रशासन की दक्षता का नैतिक मुद्दा
↳ सब मिलकर एक सामूहिक नकल को नही रोक पा रहे है।

(b) <u>समस्या समाधान की रणनीति:</u>

① सर्वप्रथम मैं बच्चों के माता-पिता से मिलूँगा। <u>अनुनयन</u> व <u>भावनात्मक बुद्धिमत्ता</u> के प्रयोग से उन्हें समझाउंगा की नकल करके पास होने से कोई फायदा नही होता। यह उनके बच्चों के भविष्य के साथ समझौता है।

② इसके उपरांत नकल रैकेट में लिप्त

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शिक्षकों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित करूंगा।

(3) परीक्षा आयोजन के समय नयी तकनीकों यथा कैमरा रिकार्डिंग का प्रयोग ताकि नकल करने वालों के खिलाफ सबूत मिल जाए।

(4) उपयुक्त सबूत होने की स्थिति में मैं पर्यवेक्षकों से मोल-भाव की स्थिति में आ जाऊंगा कि यदि उन्होंने इस रैकेट को बंद नहीं किया तथा ऐसे ही चलाते रहे तो उन्हें निलंबित किया जाएगा तथा साथ ही साथ उच्च स्तरीय जाँच कमिटी बिठाई जाएगी। जिसके समक्ष सबूत पेश किये जाएंगे तथा उनकी नौकरी जाने का खतरा है।

(c) ऐसे नकल के खतरों से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति:

(1) सर्वप्रथम बच्चों की शिक्षा के गुणवत्ता के स्तर में सुधार लाया जाता

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चाहिए।

(2) परीक्षा सेंटरों पर उचित निगरानी व्यवस्था। यथा
- CCTV Camera
- परीक्षा कक्ष की रिकार्डिंग
- मोबाइल सिग्नल जैमर्स का प्रयोग।

(3) शिक्षकों का उचित प्रशिक्षण।

(4) शिक्षकों के वेतनमान में वृद्धि ताकि भ्रष्टाचार में लिप्त न हो।

निष्कर्षतः नकल से पास होने वाले विद्यार्थी देश की तरक्की के लिए नेरूर होते हैं। अतः इस प्रवृत्ति पर अंकुश की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?

(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त केस स्टडी में विकास बनाम पर्यावरण के मुद्दे को रेखांकित किया गया है।

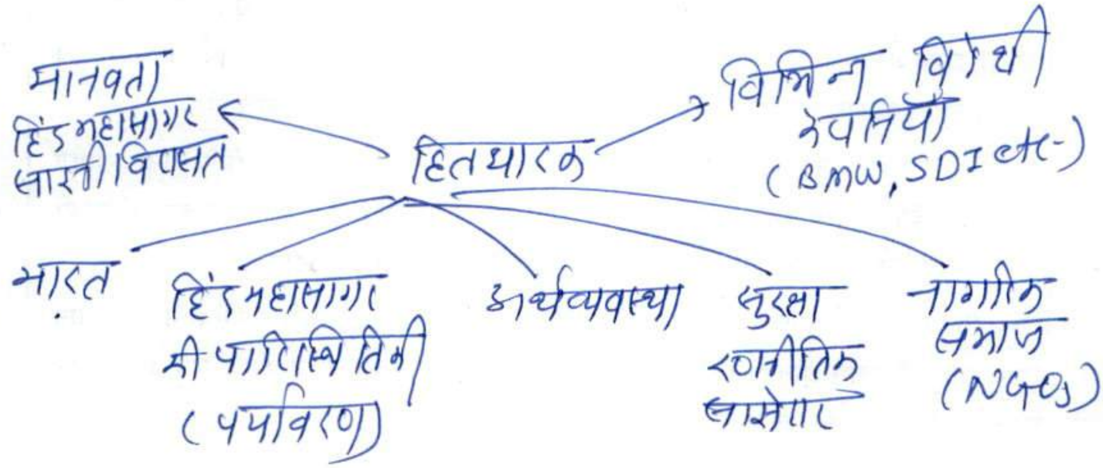

(a) शामिल नैतिक मुद्दे

(1) विकास बनाम पर्यावरण पारिस्थितिकी

(समुद्री ड्रिलिंग से हिंद महासागर की पारिस्थितिकी को नुकसान)

(2) आर्थिक हित बनाम पर्यावरण हित
↳ ड्रिलिंग से खनिजों की प्राप्ति

(3) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में नैतिकता
↳ विदेशी कंपनियों द्वारा खनिजों को खरीदने की शर्त

(4) मानव की साझी विरासत बनाम एक देश के हित
↳ हिंद महासागर केवल भारत का नहीं है। यह साझी धरोहर मानव सभ्यता की।

(5) मानव की साझी विरासत के न्यायसंगत बँटवारे का प्रश्न

(6) देश की शासन व्यवस्था बनाम नागरिक समाज
↳ विभिन्न पर्यावरणीय NGOs द्वारा विरोध

(7) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पर्यावरण के मुद्दे
↳ विदेशी कंपनी द्वारा पर्यावरण के आधार ट्रेड बैरियर लगाना।

(8) रणनीतिक सामरिक सुरक्षा बनाम पर्यावरण
↳ इन खनिजों का उपयोग सामरिक उद्देश्यों के तहत

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(6) महासागरों पर संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना राष्ट्र के आर्थिक विकास कुछ कार्य किए जा सकते है:- यथा!

(1) तकनीकों का उन्नतीकरण
↳ ऐसी तकनीक का निर्माण जो समुद्री पारीस्थितिकी तंत्र को व्यवधान न डाले।

(2) महासागरों से मछली पकड़ने के अवैज्ञानिक पद्धतियों पर अंकुश।

(3) महासागरों के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना।

(4) नीतियों के निर्माण में पर्यावरण को तरजीह देना।
↳ ex:- EIA कानून का सशक्तिकरण।

(5) लोगों के मध्य जागरूकता लाना
↳ नागरिक समाज का सहयोग

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⑥ महासागरों की संधारणीयता को बनाये रखने हेतु पीपुल कैंपेन चलाना।
ex:- विभिन्न बीचों (समुद्रतटों) पर श्रमदान से प्लास्टिक को इकट्ठा करना।

⑦ सभी हितधारकों यथा आस-पास के सभी राष्ट्रों का सहयोग करना।

वस्तुत: संधारणीय महासागर भविष्य के लिए आवश्यक है तथा SDG-Life below water के लिए आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

- **(1)** Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
- **(2)** Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
- **(3)** As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

(a) डिस्ट्रीक्ट मजिस्ट्रेट के तौर पर सर्वप्रथम मैं दोनों पक्षों से अलग-अलग बैठकर बात करूंगा। दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनूंगा। इसके उपरांत दोनों पक्षों को समक्ष बिठाकर उन्हें आश्वासन दूंगा की किसी भी पक्ष के साथ अन्याय नही होगा। न

तो अंधा विकास किया जाएगा और न ही विकास का अंधा विरोध। दोनों पक्षों से कहूंगा कि उपर्युक्त मुद्दे पर एक उच्च स्तरीय समिति का आयोजन किया जाएगा। तथा उस समिति की निष्पक्ष जांच के आधार पर ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

(b) (i)

गुण	दोष
* धार्मिक पूजा स्थल का निर्माण होगा। → शहर में लोगों की आवाजाही बढ़ेगी। → रोजगार के अवसर → शहर का विकास होगा।	* बिना उचित जांच के निर्माण से पड़ोस के लोगों को समस्या (ट्रैफिक, शोर, और भार) * पर्यावरण को नुकसान की संभावना * मेरे ऊपर धर्म से पूर्वाग्रह के आरोप की संभावना।

अतः यह तरीका एक संतुलित दृष्टिकोण नहीं रखता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② गुण

* पर्यावरण की सुरक्षा की बात को मानना।
* आस-पास की परिस्थितिकी का संरक्षण
* दूसरे पक्ष के लोगों के बीच अच्छी पहचान
* विरोधी पक्ष को साहूलियत
  ↳ ट्रैफिक व प्रदूषण के प्रति आशंका नहीं।

दोष

* यह कदम विकास का अपेक्षा विरोध है।
* एक धार्मिक पक्ष की भावनाएं आहत होने का खतरा।
* शहर के लिए रोजगार के अन्य अवसर उपलब्ध नहीं हो पायेंगे।

वस्तुत: यह निर्णय भी संतुलित दृष्टिकोण से युक्त नहीं है।

③ वस्तुत: इस निर्णय में संतुलित दृष्टिकोण के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। सर्वप्रथम दोनों पक्षों के मध्य समझौते की संभावना। यह इंगित करती है कि दोनों पक्षों के मध्य सामाजिक सौहार्द्र बना रहेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसके अतिरिक्त भवन निर्माण के नियमों का कड़ाई से पालन विधि सम्मत व पर्यावरण अनुकूल है। जो कि संतुलित विकास की शर्त है।

यदि विजारत में संशोधन की संभावना रहेगी तो वह भी आवश्यक तत्व है। इसके साथ ही निष्पक्ष EIA करवाना तथा सोशल आडिटिंग को भी मैं अपने कार्यक्रम में शामिल करूंगा।

वस्तुतः किसी भी परियोजना का न तो अंधा विरोध करना चाहिए और न ही पर्यावरण की कीमत पर विकास।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में सार्वजनिक जीवन बनाम निजि जीवन के द्वंद्व का मुद्दा व्यक्त किया गया है।

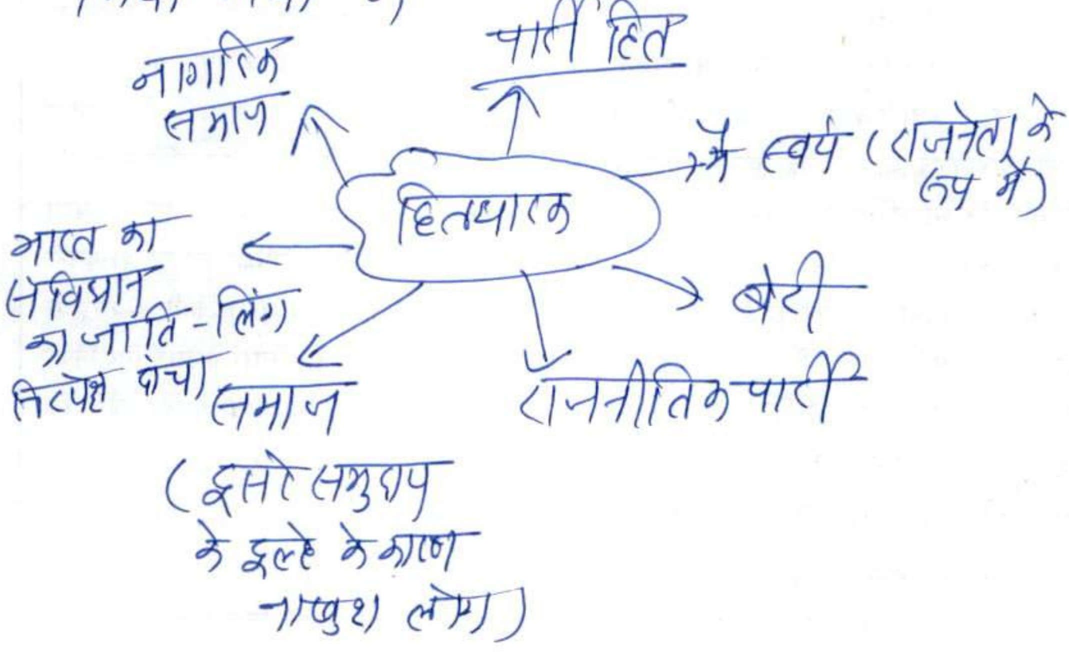

(a) विभिन्न नैतिक मुद्दे:

① व्यक्तिगत हित v/s सार्वजनिक भावनाएं
↳ बेटी की शादी का मुद्दा ~~नैतिक~~ व्यक्तिगत

② पार्टी हित v/s स्वहित
↳ बेटी की शादी दूसरे समुदाय के व्यक्ति से करने पर पार्टी के वोट खतरे में

(3) बेटी का व्यक्तिगत जीवन का नैतिक मुद्दा
↳ राजनीति के फेर में उसकी शादी उसके पसंद के लड़के से नहीं होना

(4) पीढ़ी गत संघर्ष की झलक

(5) समाज के सौहार्द्र पूर्ण माहौल का संकट

(6) बेटी की इच्छा बनाम राजनीतिक कैरियर

(7) संवैधानिक मूल्यों का संकट
↳ जाति - समुदाय के आधार पर भेदभाव नहीं।

(b) महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में विकल्प

(1) बेटी को पसंद के दूल्हे से शादी के लिए इनकार कर देना।

गुण	दोष
→ राजनीतिक कैरियर बना रहेगा	→ बेटी के अधिकारों का हनन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) बेटी को शादी की अनुमति चुप-चुप तरीके से करने देना।

गुण	दोष
* बेटी की पसंद के लड़के से शादी	* राजनीतिक पाखंडता का संकट * विश्वसनीयता का संकट

(3) बेटी को वापस विदेश भेज देना

गुण	दोष
राजनीतिक संकट समाप्त	* पलायनवादी मानसिकता का भाव * बेटी की नजरों में गिरना

(c) मैं इन विकल्पों का प्रयोग नहीं करते हुए एक अन्य विकल्प का प्रयोग करूंगा। जिसके तहत मैं अपनी बेटी की शादी उसके पसंद के लड़के से ही करूंगा। क्योंकि यह उसकी निजता के अधिकार (21) का जीवन का अधिकार (पसंदीदा व्यक्ति से

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शासी कला के अनुकूल है।

इसके साथ ही अपने राजनीतिक करियर को बचाने के लिए एक सभा का आयोजन करूंगा। जिसमें नेतृत्व के गुण का परिचय देते हुए समाज को संवैधानिक मूल्यों के बारे में अवगत करवाऊंगा। इससे मेरी छवि और बेहतर होगी। तथा मैं किसी विशिष्ट धार्मिक समुदाय के अलावा अन्य समुदायों के व्यक्तियों से भी जुड़ पाऊंगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK